M.A. SANSKRIT

1st Semester

PAPERS CODE	PAPERS NAME	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
MASAN101	Vaidic Sahitya Aur TulnatmakBhashaVigyan	40	60	100
MASAN102	Lalit SahityaTha Natak	40	60	100
MASAN103	Bhartiya Darshan	40	60	100
Total		**120**	**180**	**300**

2nd Semester

PAPERS CODE	PAPERS NAME	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
MASAN201	Jyotish Shastra Ka Itihash Avam Falit Sidhant	40	60	100
MASAN202	Bhartiya Kavyashastra Avam Vyakaran	40	60	100
MASAN203	Bhartiya Darshanasya Samikshatmak adhyan	40	60	
Total		**120**	**160**	**300**

3rd Semester

PAPERS CODE	PAPERS NAME	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
MASAN301	Sahityasastra	40	60	100
MASAN302	Natak Tha Natyasastra	40	60	100
MASAN303	Gadya,Padya, Champu OR kisi Kavi Ya Lekhak Ka Vishisth Adhyana (Bhash Or Kalidas)	40	60	100
Total		**120**	**180**	**300**

4th Semester

PAPERS CODE	PAPERS NAME	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL

SunRise University

MASAN401	VYAKARAN AVAM NIBANDH	40	60	100
MASAN402	Pracheen Sahitya Or Adhunik Sanskrit-Sahitya Or lghu Sodh-Prabandh(For Regular Students)	40	60	100
MASAN403	Optional Paper	40	60	100
Total		**120**	**180**	300

MASAN03: महाभाष्यम् सिद्वान्त कौमुदी
MASAN03: निबन्धम् संस्कृत भाषायाम् लेखनीयः।
MASAN03: वेदाङ्गस्थनिरूक्तम्
MASAN03: कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् , मनुस्मृतिः याज्ञवल्क्यस्मृतिश्च
MASAN03: रामायणम् , महाभारतम् पुराणानि च

PAPER CODE	PEPERS NAME	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
1MASO1	**Vaidic Sahitya Aur TulnatmakBhashaVigyan**	40	60	100
1MASO2	Lalit SahityaTha Natak	40	60	100
1MASO3	Jyotish Shastra Ka Itihash Avam Falit Sidhant	40	60	100
1MASO4 ---------- 1MASO5	**Bhartiya Darshan** **----------** **Bhartiya KavyashastraAvamVyakaran**	40 ---------- 40	60 ---------- 60	100 ---------- 100
	भारतीय दर्शनस्य समीक्षात्मकम अध्ययनम्			
Total		200	300	500

SunRise University

M.A. SANSKRIT 1st Semester

PAPER: I – वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान। paper code: MASANAO1

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् प्रष्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

1. ऋग्वेद – निम्न सूक्तों का अध्ययन

(अग्नि – 1.12, रुद्र – 2.33, विष्णु – 1.154, अक्ष – 10.34, वरुण – 7.86, वाक् – 10.125, पुरुष – 10.90, नासदीय 10.129)

2. यजुर्वेद (अध्याय – 34) षिवसंकल्पसूक्त – दो मंत्रों में से एक की व्याख्या

3. अथर्ववेद (12.1) पृथिवी सूक्त (भूमि सूक्त) – 1 से 18 मंत्र

4. निरूक्त–यास्क (प्रथम अध्याय)

5. भाषा विज्ञान

(रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, उच्चारण स्थान, ध्वनिया, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि–परिवर्तन के कारण, ध्वनि–नियम, भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ–परिवर्तन के कारण, संस्कृत ध्वनियों का विकास, संस्कृत और अवेस्ता संस्कृत औप पालि, संस्कृत और प्राकृत)

विस्तृत अंक–विभाजन

1. ऋग्वदे	1. ऋग्वेद के निर्धारित सूक्तों में से चार मंत्रों में से 2 मंत्रों की व्याख्या जिनमें से एक हिन्दी में तथा एक संस्कृत में करनी होगी। 2. पदपाठ 3. दो देवताओं में से एक देवता का स्वरूप
2. यजुर्वेद	यजुर्वेद के निर्धारित भाग से 2 मंत्रों में से एक की व्याख्या।
3. अथर्ववेद	दो मंत्रों में से एक की संस्कृत में व्याख्या

SunRise University

4. निरूक्त 1. चार उद्धरणों में से दो की व्याख्या

2. आठ पदों में से चार पदों का निर्वचन

5. भाषा विज्ञान1. रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त दो में से एक प्रष्न करना होगा।

2. उच्चारण स्थान, ध्वनियां, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम, दो में से एक प्रष्न

3. भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ परिवर्तन के कारण संस्कृत ध्वनियां, अवेस्ता, पालि ओर प्राकृत दो में से एक प्रष्न

सहायक पुस्तकें और संस्तुत पुस्तकें

क–वैदिक साहित्य

1. ऋक्सूक्त वैजयन्ती – डॉ. एच.डी. वेलनकर (पूना से प्रकाषित)

2. ऋक्सूक्त समुच्चय – डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदि, आगरा

3. वैदिक वाङ्मय – एक परिषीलन – ब्रजबिहारी चौबे

4. वैदिक स्वरबोध – ब्रजबिहारी चौबे

5. ऋग भाष्यसंग्रह – देवराज चानना

6. वैदिक व्याकरण – ए.ए. मेक्डोनल

7. वैदिक व्याकरण – डॉ. उमेषचन्द पाण्डे

8. वैदिक स्वरमीमांसा – श्री युधिष्ठिर मीमांसक

9. ऋग्वेद चयनिका – विष्वम्भरनाथ त्रिपाठी

10. वेद विज्ञान – कपूर्रचन्द कुलिष, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

11. छनदःसमीक्षा – स्वामी सुरजनदास, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

ख – भाषा–विज्ञान

1. एन इन्ट्रोडक्षन टू कम्परेटिव फिलोलोजी गुणे, ओरियंटल बुक एजेंसी, पूना

2. लिंग्विस्टिक इन्ट्रोडक्षन टू संस्कृत – बटकृष्ण घोष, इण्डियन इन्स्टीट्यूट, कोलकाता

3. तुलनात्मक भाषाषास्त्र – डॉ. मंगलदेव शास्त्री

4. भाषाविज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी

SunRise University

5. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. भोलाषंकर व्यास – भारतीय ज्ञानपीठ, काषी

6. संस्कृत का भाषाविज्ञान – डॉ. राजकिषोर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

7. एलीमेंट्स ऑफ दी साईन्स ऑफ लैंग्वेज, तारापोरेवाला, हिन्दी अनुवाद, मध्य प्रदेष हिन्दी अकादमी

PAPER : II – ललित साहित्य तथा नाटक Paper code: MASA1O2

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60**

अंक

1. मेघदूतम् – कालिदास
2. प्रतिमानाटकम् – भास
3. मृच्छकटिकम् – शूद्रक

विस्तृत अंक–विभाजन

1. मेघदूतम् 1. चार श्लोक (दो पूर्वार्द्ध भाग तथा 2 उत्तरार्द्ध भाग में से) पूछकर दो की सप्रसंग व्याख्या जिनमें से एक की व्याख्या संस्कृत में अनिवार्य

   2. दो प्रष्न पूछकर एक प्रष्न का उत्तर

2. प्रतिमानाटकम् 1. चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या

   2. दो प्रष्न पूछकर एक प्रष्न का उत्तर

3. मृच्छकटिकम् 1. चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या

   2. दो प्रष्न पूछकर एक प्रष्न का उत्तर

   3. दो सूक्तियों में से एक की संस्कृत व्याख्या

कुल योग

सहायक पुस्तकें–

1. संस्कृत के संदेष काव्य – डॉ. रामकुमार आचार्य
2. मेघदूत–कालिदास–व्याख्या – डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
3. प्रतिमा नाटकम् – भास

SunRise University

4. मृच्छकटिकम् – रमाषंकर त्रिपाठी

5. मृच्छकटिकम् – डॉ. श्री निवास शास्त्री

6. मृच्छकटिकम् – शास्त्रीय सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन – डॉ. शालगराम द्विवेदी

PAPER : IV – भारतीय दर्शन PAPER CODE : MASAN1O3

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – प्रष्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 2. प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

1. सांख्यकारिका – ईष्वरकृष्ण

2. तर्कभाषा (प्रामाण्यवादपर्यन्त) – केषवमिश्र

3. वेदान्तसार – सदानन्द

4. चार्वाकदर्षन – सर्वदर्षनसंग्रह

5. योगसूत्रम् (प्रथम व द्वितीय पाद) – पतंजलि

विस्तृत अंक–विभाजन

1. सांख्यकारिका 1. चार कारिकाओं में से दो की सप्रसंग व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य

   2. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर

2. तर्कभाषा 1. दो में से एक उद्धरण की व्याख्या

   2. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर

3. वेदान्तसार 1. दो उद्धरणों में से एक उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या

   2. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर

4. चार्वाक 1. दो प्रष्न पूछकर एक प्रष्न का उत्तर

5. योगसूत्रम् 1. चार सूत्रों में से दो की व्याख्या

   2. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर संस्कृत भाषा में

SunRise University

कुल योग **60 अंक**

सहायक पुस्तकें–

1. सांख्यकारिका (युक्तिदीपिका सहित) सं. रमाषंकर त्रिपाठी
2. तर्कभाषा – आचार्य बदरीनाथ शुक्लकृत हिन्दी व्याख्या, चौखम्बा, वाराणसी
3. वेदान्तसार – डॉ. षिवस्नगर त्रिपाठी, ज्ञान प्रकाषन, मेरठ
4. सर्वदर्षनसंग्रह – माधवाचार्य
5. अद्वैतवेदान्त में आभासवाद – डॉ. सत्यदेव मिश्र, इंदिरा प्रकाषन, पटना
6. भारतीय दर्षन – संपादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
7. भारतीय दर्षन – डॉ. उमेष मिश्र (हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेष सरकार लखनऊ)

M.A. SANSKRIT 2nd Semester

PAPER : I – ज्योतिष शास्त्र का इतिहास एवं फलित सिद्धान्त

PAPER CODE : MASAN2O1

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – प्रष्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

1. भारतीय ज्योतिष का इतिहास
2. हस्तरेखा विज्ञान प्रथम एवं द्वितीय खण्ड–गोपेष कुमार ओझा
3. फलित खण्ड
4. प्रायोगिक परीक्षा

विस्तृत अंक–विभाजन

1. भारतीय ज्योतिष का इतिहास 1. वैदिक वेदांग एवं पुराण काल एवं पाराषर, आर्यभट्ट प्रथम व द्वितीय, वराहमिहिर भास्कराचार्य, कल्याणवर्मा, लीलाधर, केषव रामदेवज्ञ, जगन्नाथ सम्राट आचार्य जैमिनी तथा बापूदेव शास्त्री इन पर चार प्रष्न पूछे जायेंगे।
2. हस्तरेखा विज्ञान 1. दो प्रष्न पूछकर एक प्रष्न का उत्तर

   2. चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर

SunRise University

3. फलितखण्डफलादेष के सामान्य सिद्धांत, उत्तर भारतीय जन्मकुंडली के आधार पर बारह भावों के फलादेष, नवग्रहों का स्वरूप, द्वादष राषियों का स्वरूप, बारह भावों के कारक ग्रह, ग्रहों के अधिकार क्षेत्र, मैत्री, पंचधा मैत्री, ग्रहों के कालांष, विवाह गुण मिलान की वैज्ञानिकता

1. दो प्रष्न पूछकर एक प्रष्न का उत्तर
2. दो प्रष्नों में से एक का संस्कृत में उत्तर

4. प्रायोगिक परीक्षा 1. पंचांग, हस्तरेखा विज्ञान एवं फलित खण्ड पर आधारित होगी। इन विषयों से संबंधित सामान्य व विषिष्ट प्रष्न किये जायेंगे। (20 प्रतिषत अंक अर्थात 8 अंक संस्कृत माध्यम से अभिव्यक्ति के निर्धारित होंगे)

कुल अंक **60 अंक**

सहायक ग्रन्थ सूची–

1. गणक तरंगिणी – बापूदेव शास्त्री
2. भारतीय ज्योतिष का इतिहास – षिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी संस्थान, लखनऊ
3. भारतीय ज्योतिष – नेमीचन्द शास्त्री
4. हस्तरेखा विज्ञान – गोपेष कुमार ओझा
5. फलित प्रबोधिनी – डॉ. विनोद शास्त्री, राज. ज्योतिष परिषद एवं शोध संस्थान, जयपुर
6. ज्योतिष प्रारंभिकी – डॉ. विनोद शास्त्री, राजस्थान संस्कृत अकादमी
7. ज्योतिष सर्वस्व – डॉ. सुरेष चन्द मिश्रा, रंजन पब्लिकेषन, दिल्ली।

SunRise University

PAPER :II भारतीय काव्यषास्त्र एवं व्याकरण

PAPER CODE : MASAN2O2

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक– 60 अंक**

अवधेयम् – प्रष्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

1. साहित्यदर्पण (1,2 परिच्छेद, तृतीय परिच्छेद कारिका 29 तक) – विष्वनाथ
2. नाट्यषास्त्र (1, 2 अध्याय) – भरत
3. काव्यालंकार (प्रथम अध्याय) – भामह
4. साहित्यषास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ, चिन्तक एवं सिद्धान्त
5. प्रक्रिया भाग – लघुसिद्धान्तकौमुदी

विस्तृत अंक–विभाजन

1. साहित्यदर्पण 1. चार कारिकाओं/उद्धरणों में से दो की व्याख्या जिसमे से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य
   2. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर
2. नाट्यषास्त्र 1. दो में से एक कारिका की व्याख्या
   2. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर
3. काव्यालंकार 1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य
4. साहित्यषास्त्र 1. ग्रन्थ, चिन्तक में से दो प्रष्न पूछकर एक प्रष्न का उत्तर
   2. सिद्धान्त संबंधी दो प्रष्न में से एक प्रष्न का उत्तर
5. प्रक्रियाभाग 1. चार सूत्रों में से दो की व्याख्या
   2. 6 सिद्धियों में से 3 सिद्धिया।

कुल योग **60 अंक**

संस्तुत पुस्तकें–

1. साहित्यदर्पण – डॉ. निरूपण विद्यालंकार

SunRise University

2. साहित्यदर्पण – शेषराज रेग्मी

3. नाट्यषास्त्र – संपादक डॉ. भोलानाथ शर्मा – साहित्य निकेतन, कानपुर

4. नाट्यषास्त्र – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

5. काव्यालंकार – भामह – बटुकनाथ शर्मा

6. अलंकारषास्त्र का इतिहास – डॉ. कृष्णकुमार

7. भारतीय साहित्यषास्त्र, बलदेव उपाध्याय

8. लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री

MASAN203: भारतीय द□ानस्य समीक्षात्मकम अध्ययनम्

पूर्णांक : 100

Syllabus :-

1.	ईश्वरकृष्णसांख्यकारिका	–	सत्यकार्यवाद, पुरूष स्वरूप, प्रकृतिस्वरूप, सृष्टिक्रम,प्रत्ययसर्ग, कैवल्य ।
2.	सदानन्दस्यवेदान्तसारम्	–	अनुबन्ध–चतुष्ट्य, अज्ञान, अध्यारोप–अपवाद, लिडडाशरीरोत्पन्ति, पंचीकरण, विवर्तवाद, जीवन्मुक्ति।
3.	लौगाक्षिभास्करस्य अर्थसंग्रह	–	धर्मस्य लक्षणम्, धर्मस्यभेदाः, भावना, भावनायाःप्रकारा, विधिः, विधेः प्रकाराणां, विनियोग विधौ सहायकानि षट् प्रमाणानि, विधेः उदाहरणम्।
4.	केशवमिश्र तर्क भाषा	–	प्रमाणंख प्रमेयम्, षडविधसन्निकर्षः, अनुमानस्य भेदाः , हेत्वाभासस्य अर्थः तथा प्रकारः,
5.	पंतजलिकृत योगसूत्रम्	–	अष्टाड स्वरूपम् , समाधि तथा प्रकारः। ईश्वरस्य स्वरूपम् , कैवल्यम्।

SunRise University

M.A. SANSKRIT

(FINAL)

PAPER CODE	PEPERS NAME	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
2MASO1	**Sahityasastra**	40	60	100
2MASO2	Natak Tha Natyasastra	40	60	100
2MASO3	Gadya,Padya, Champu OR kisi Kavi Ya Lekhak Ka Vishisth Adhyana (Bhash Or Kalidas)	40	60	100
2MASO4 ---------- 2MASO5	**VYAKARAN AVAM NIBANDH** **----------** **Pracheen Sahitya Or Adhunik Sanskrit- Sahitya Or lghu Sodh-Prabandh(For Regular Students)**	40. 40	60 60	100 100
Total		200	300	500

SunRise University

वर्ग 'अ' साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र – साहित्यषास्त्र।

द्वितीय प्रश्नपत्र –नाटक तथा नाट्यषास्त्र।

तृतीय प्रश्नपत्र – गद्य, पद्य, चम्पू। अथवा किसी कवि या लेखक का विषिष्ट अध्ययन। (भास अथवा कालिदास)

वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र – संहिता पाठ।

द्वितीय प्रश्नपत्र – ब्राह्मण, उपनिषद! तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ।

तृतीय प्रश्नपत्र – वैदिक धर्म, देवषास्त्र एवं वैदिकी प्रकिया। अथवा ऋग्वेद के किसी मण्डल का विषिष्ट अध्ययन।

वर्ग 'स' दर्शनशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र – न्याय और वैषेषिक दर्षन।

द्वितीय प्रश्नपत्र – शैवागमण योगदर्षन और दर्षनषास्त्र का विकास।

तृतीय प्रश्नपत्र – वेदान्त, मीमांसा एवं अवैदिक दर्षन।

वर्ग 'द' धर्मशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र – सूत्र और धर्मषास्त्र का इतिहास।

द्वितीय प्रश्नपत्र – स्मृतिषास्त्र।

तृतीय प्रश्नपत्र – निबन्ध साहित्य, व्यवहार एवं प्रायष्चित ज्ञान।

वर्ग 'ई' वैदिक विज्ञान

प्रथम प्रश्नपत्र – वैदिक वाङ्मय और वेद विज्ञान

द्वितीय प्रश्नपत्र – सैद्धान्तिक ग्रन्थ।

तृतीय प्रश्नपत्र – इतिहास एवं भाष्यकार

वर्ग 'एफ' ज्योतिषशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र – ज्योतिष विज्ञान, खगोल एवं ताजिक शास्त्र।

द्वितीय प्रश्नपत्र – वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त।

तृतीय प्रश्नपत्र – जन्म पत्र–निर्माण, फलादेष के सिद्धान्त।

SunRise University

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य प्रश्नपत्र

चतुर्थ प्रश्नपत्र – व्याकरण एवं निबन्ध।

पंचम प्रशनपत्र – प्राचीन साहित्य अथवा आधुनिक संस्कृत–साहित्य अथवा लघुषोध–प्रबन्ध (नियमित छात्रों के लिए)

अवधेयम्–

1. प्रत्येक प्रष्नपत्र में निर्धारित पाठ्य विषयों अथवा ग्रन्थों के इतिहास, काव्यषास्त्रीय पक्ष, समालोचनात्मक तथ्य आदि से सम्बद्ध प्रष्न भी पूछे जायेंगे, जिनमें परीक्षार्थी के तत्सम्बन्धी ज्ञान का भी परीक्षण हो सके।

SunRise University

(A)- Sahitya

PAPER : I – साहित्यशास्त्र PAPER CODE : MASAN3O1

समय– तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

1. काव्यप्रकाष (1 से 8 उल्लास) – मम्मट (सप्तम् उल्लास में रसदोषमात्र)
2. ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) – आनन्दवर्धन
3. रसगंगाधर – पं. जगन्नाथ
4. वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) – कुन्तक

विस्तृत अंक–विभाजन

1. काव्यप्रकाष 1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य
   2. वृत्तिभाग से 2 उद्धरण पूछकर एक की व्याख्या
   3. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर
2. ध्वन्यालोक 1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य
3. रसगंगाधर 1. सामान्य प्रष्न
4. वक्रोक्तिजीवितम् 1. दो कारिकाओं में से एक की व्याख्या
   2. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर

कुल योग **60 अंक**

(अ) साहित्य वर्ग –

प्रथम पत्र – साहित्यशास्त्र

सहायक पुस्तकें–

1. रस सिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा – प्रो. सुरजनदास स्वामी – प्रकाषक नीरज शर्मा, जयपुर

SunRise University

2. भारतीय साहित्यषास्त्र की रूपरेखा – डॉ. त्रयम्बक देषपांडे

3. काव्यप्रकाष – मम्मट व्याख्या – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

4. ध्वन्यालोक – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी

5. रसगंगाधर – आचार्य बद्रीनाथ झा

6. वक्रोक्तिजीवितम् – राधेष्याम मिश्र

6. वक्रोक्तिजीवितम् – प्रथम व द्वितीय उन्मेष – डॉ. दषरथ द्विवेदी

PAPER : II – नाटक तथा नाट्यशास्त्र PAPER CODE : MASAN3O2

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – प्रष्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

1. दषरूपकम्–धनंजय (प्रथम, द्वितीय व चतुर्थ प्रकाष मात्र)

2. वेणीसंहार – भट्टनारायण

3. उत्तररामचरितम्

4. पाष्चात्य काव्यषास्त्र का इतिहास – विरेचन सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धान्त (अरस्तु), उदात्तीकरण, अभिव्यक्तिवाद

विस्तृत अंक–विभाजन

1. दषरूपकम्	1. चार कारिकाओं में से एक की संस्कृत व्याख्या एवं एक की हिन्दी व्याख्या	
	2. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर	
2. वेणीसंहार	1. दो श्लोकों में से एक की हिन्दी में व्याख्या	
	2. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर	
3. उत्तररामचरितम्	1. चार श्लोकों में से दो की व्याख्या (एकी की संस्कृत में)	
	2. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर	
4. पाष्चात्यकाव्य शास्त्र का इतिहास	1. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर	

SunRise University

द्वितीय पत्र – नाटक तथा नाट्यशास्त्र

सहायक पुस्तकें–

1. अभिनवगुप्त – अभिनवभारती
2. भरत नाट्यषास्त्र, डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
3. भरतमुनि प्रणीत, डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
4. संस्कृत नाट्यसाहित्य – डॉ. खण्डेलवाल, आगरा
5. दषरूपक (नान्दी टीका) – डॉ. रामजी उपाध्याय, संस्कृत परिषद, सागर विष्वविद्यालय, सागर
6. वेणीसंहार – तारिणीष झा
7. उत्तररामचरितम् – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
7. पाष्चात्य आलोचना के सिद्धान्त – भागीरथ मिश्र

PAPER : III – Gadya,padya, Champu kavya

PAPER CODE : MASAN3O3

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – प्रष्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

1. कादम्बरी (कथामुख) – बाणभट्ट
2. नैषधीयचरितम् (तृतीयसर्ग) – श्री हर्ष
3. नलचम्पू – त्रिविकम (प्रथम उच्छ्वास)
4. षिवराज विजय (1,2 उच्छ्वास) – अम्बिकादत्तव्यास

विस्तृत अंक–विभाजन

1. कादम्बरी 1. चार उद्धरणों में से दो का सप्रसंग अनुवाद
2. नेषधीयचरितम् 1. चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या (एक की संस्कृत में)
3. नलचम्पू (प्रथम उच्छवास मात्र) 1. दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या (एक की संस्कृत में)
4. षिवराजविजय 1. चार उद्धरणों में से दो का सप्रसंग अनुवाद

SunRise University

5. नैषध. व नल. 1. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर

6. काद. व षिव. 1. दो प्रष्नों में से एक प्रष्न का उत्तर

तृतीय पत्र – तीन विकल्प

काव्य – गद्य–पद्य–चम्पू

सहायक पुस्तकें–

1. नैषधीयचरितम् – जीवाड संस्कृत टीकासहित – डॉ. देवर्षि सनाढ्य
2. नलचम्पू – कैलाषपति त्रिपाठी
3. चम्पू काव्यों का अध्ययन – छविनाथ मिश्र
4. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. वासुदेवषरण अग्रवाल
5. षिवराज विजय – अम्बिकादत्त व्यास

OR

PAPER: III - निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का विशेष अध्ययन

PAPER CODE : 2MASO3

(I) - कालिदास

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – प्रष्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

पाठ्यक्रम

क) व्याख्या हेतु

1. व्याख्या हेतु प्रस्तावित नाटक – कालिदास के नाटक
2. रघुवंष (16, 13 सर्ग), कुमारसंभव (1–5 सर्ग)

   मेघदूत व ऋतुसंहार (प्रथम दो सर्गों से अंष)

ख) समालोचना हेतु

1. कालिदास के स्थितिकाल, जीवनवृत्त, रचनासंख्या आदि बिन्दुओं पर प्रष्न

SunRise University

2. कालिदास की काव्यकला, नाटककला एवं रचना–सौन्दर्य पर प्रष्न

1. अभिज्ञान	2 श्लोकों में से 1 की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या
2. विक्रमोर्वषीय	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या
3. मालविका.	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या
4. रघुवंष	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या
5. कुमार, सम्भव	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या
6. मेघदूतम्	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या
7. व्यक्तित्व व कृतिव्य	2 श्लोकों में से 1 का उत्तर
8. समालोचनात्मक	4 प्रष्नों में से 2 प्रष्नों का उत्तर

(2) - भास : - PAPERCODE : 2MASO3

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

(क) व्याख्या हेतु –

1. कृष्ण कथा पर आधारित नाटकों से उदाहरणीय अंष
2. रामकथा पर आधारित नाटकों से अंष
3. भास के शेष नाटकों से उद्धृत अंष

(ख) समालोचना हेतु–

1. भास के स्थितकाल व व्यक्तित्व पर प्रष्न
2. भास की नाट्यकला एवं रचनात्मक सौन्दर्यानुभूति पर प्रष्न

विस्तृत अंक–विभाजन

1. व्याख्या हेतु कृष्ण कथा पर आधारित नाटक 4 श्लोकों में से 2 की सप्रसंग व्याख्या (उनमें से एक संस्कृत में)
2. व्याख्या हेतु रामकथा पर आधारित नाटक 4 व्याख्याओं में से 2 की व्याख्या
3. व्याख्या हेतु भास के शेष नाटकों 4 व्याख्याओं में से 2 की व्याख्या
4. भास की स्थिति काल एवं व्यक्तित्व 2 प्रष्नों में से 1 प्रषन का उत्तर अपेक्षित
5. भास की नाट्यकला एवं रचनात्मक सौनदर्यानुभूति 2 प्रष्न पूछ कर 1 का उत्तर 4 प्रष्न पूछकर 2 का उत्तर, 1 प्रष्न का उत्तर संस्कृत में अपेक्षित है।

SunRise University

कुल योग 60

सहायक पुस्तकें–

1. भासनाटकचक्रम्–भाग एक व दो, व्याख्याकार डॉ. गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. दूतघटोत्कच – व्याख्याकार डॉ. गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. दूतवाक्यम् – व्याख्याकार डॉ. गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. मध्यमव्यायोग – व्याख्याकार डॉ. गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य

PAPER : I – संहिता पाठ PAPER CODE : 2MASO1

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60**
अंक

अवधेयम् – 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

1. ऋग्वेद – सप्तम मंडल, सूक्त 1 से 10 तक
2. अथर्ववेद – अधोदत्त सूक्त मात्रा निर्धारित है–

काण्ड	सूक्त
1	5, 6, 14
2	28, 33
3	12, 16, 7, 30
4	30
8	9
9	9 (14 अस्य वामस्य)
18	6 (प्राण ब्रह्मचारी)

SunRise University

19 52, 53

3. वाजसनेयी संहिता – अध्याय 1, 32 एवं 36

टिप्पणी – परीक्षार्थियों से आषा क जाती है कि वे वेद के मंत्रों के विभिन्न भाष्य, जिनमें सायण, कपाली शास्त्री, दयानन्द, उव्वट कानाम विषेषतः उल्लेखनीय है, पढ़ेंगें तथा आधुनिक अर्थों से भी परिचित होंगे।

4. संबद्ध व्याकरण

6. ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका – स्वामी दयानन्द

कुल योग **60 अंक**

PAPER : II – ब्राह्मण उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ PAPER CODE : 2MASO2

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

1. ऐतरेय ब्राह्मण – पंचिका – अध्याय 1 व 2 मात्र

2. शतपथ ब्राह्मण – माध्यदिन काण्ड–1, अध्याय–1

3. यास्क निरुक्त 2, 7 अध्याय (निर्वचन व व्याख्या)

4. ऋक् प्रतिषाख्य – 1, 2 और 3 मात्र ऋक् प्रतिषाख्य के पाठ्यक्रम में निर्धारित सूत्रों की व्याख्या प्रष्टव्य हैं।

5. छान्दोग्योपनिषद् – अध्याया 7वां

7. कात्यायन श्रौतसूत्र – अध्याय प्रथम 1–2 कण्डिकाएं

कुल योग **60 अंकPAPER : III –वैदिक धर्म, देवशास्त्र एवं वैदिकी प्रकिया PAPER CODE : 2MASO3**

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. वैदिक धर्मों का तुलनात्मक एवं देवषास्त्र

SunRise University

2. वैदिकी प्रक्रिया – सिद्धान्त कौमुदी

3. महर्षि कुलवैभवम् – मधुसदन ओझा (महर्षियों का सामान्य परिचय)

कुल योग **60 अंक**

SunRise University

OR

ऋग्वेद के किसी मण्डल का विशिष्ट अध्ययन

PAPER CODE : 2MASO3

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित हैं।

गृत्समद अथवा वामदेवामण्डल में से प्रत्येक के प्रथम चालीस सूक्तों का विषेष अध्ययनं

वर्ग 'स' दर्शनशास्त्र

PAPER: I – न्याय और वैशेषिक दर्शन

PAPER CODE : 2MASO1

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – प्रष्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. न्याय सूत्र वात्स्यायन भाष्यहित (प्रथम अध्याय)

2. विष्वनाथ – न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष एवं शब्द खण्ड)

3. प्रषस्तपाद (गुणनिरूपणान्त)

विस्तृत अंक–विभाजन

SunRise University

1. न्यायसूत्रम् वात्स्यायान भाष्य सहित	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या दो सूत्रों में से एक की व्याख्या दो प्रष्नों में से एक का उत्तर
2. सिद्धान्तमुक्तावली	प्रत्यक्ष खण्ड में चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या शब्द खण्ड से चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या
3. प्रषस्तपादभाष्य	चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या दो प्रष्नों में से एक का उत्तर

कुल योग **60 अंक**

सहायक पुस्तकें–

1. न्यायसूत्र वात्स्यायन भाष्य सहित, सं. स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, प्र. बौद्ध भारती, वाराणसी
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड), व्याख्याकार – डॉ. श्री गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
3. कारिकावली – न्यायमुक्तावली संवलिता, व्याख्कार – आत्माराम शर्मा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

द्वितीय पत्र – शैवागम योगदर्षन और दर्षनषास्त्र का विकास

सहायक पुस्तकें–

1. भारतीय दर्षन का इतिहास, एस.एन.दास गुप्त, अनु. कलानाथ शास्त्री, सुधीरकुमार, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
2. पाष्चात्य आधुनिक दर्षन की समीक्षात्मक व्याख्या, या मसीह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. नीतिषास्त्रीय सिद्धान्त के पांच प्रकार सी.डी. ब्रोड, अनु. डॉ. श्यामनन्दन, प्रो. केदारनाथलाल, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना

SunRise University

PAPER : II – शैवागम, योगदर्शन और दर्शनशास्त्र का विकास PAPER CODE: 2MASO2

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – प्रष्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. परमार्थसार – अभिनवगुप्त

2. भारतीय दर्षनषास्त्र का विकास

3. पाष्चात्य दर्षनषास्त्र का विकास

अवधेयम् – दर्षनषास्त्र के विकास की दृष्टि से निम्नांकित विषयों पर सामान्य अध्ययन अपेक्षित है – 1. षड्दर्षन का विकास, 2. सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तू द्वारा प्रतिपादित नीतिषास्त्र, 3. स्पिनोजा का शून्यवाद तथा सर्वेष्वरवाद, 4. बर्कलेकृत जड़वाद की आलोचना, 5. ह्यूम का कार्यकारणवाद तथा सन्देहवाद, 6. देकार्त प्रतिपादति ईष्वर एवं बाह्य जगत!, तथा 7. काण्ट का नीतिषास्त्र

विस्तृत अंक–विभाजन

1. सांख्यतत्वकौमुदी	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या
	दो प्रष्नों में से एक का उत्तर
2. ईष्वरप्रत्यभिज्ञावि	दो व्याख्यों में से एक का उत्तर
3. परमार्थसार	दो सूत्रों में से एक की संस्कृत में व्याख्या
	छो प्रष्नों में से एक का उत्तर
4. भारतीय दर्षन	चार प्रष्नों में से दो का उत्तर
5. पाष्चात्य दर्षन	चार प्रष्नों में से दो का उत्तर

कुल योग **60 अंक**

SunRise University

PAPER: III – वेदान्त, मीमांसा एवं अवैदिक दर्शन PAPER CODE : 2MASO3

समय – तीन घण्टे पूर्णांक – 60 अंक

अवधेयम् – प्रष्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

1. ब्रह्मसूत्र चतु–सूत्री – शंकरभाष्यसहित
2. माण्डूक्योपनिषद् (गौडपादकारिका सहित)
3. अर्थसंग्रह – सम्पूर्ण
4. सर्वदर्षनसंग्रह – माधवाचार्य (जैन व बौद्ध)

विस्तृत अंक–विभाजन

1. ब्रह्मसूत्र चतुःसूत्री	चार व्याख्यों में से दो की व्याख्या जिसमें एक की संस्कृत में दो प्रष्नों में से एक का उत्तर
2. माण्डूक्योपनिषद्	चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें एक की संस्कृत में दो प्रष्नों में से एक का उत्तर
3. अर्थसंग्रह	चार उद्धरणों में से दो की व्याख्या दो प्रष्नों में से एक का उत्तर
4. सर्वदर्षनसंग्रह	दोनों दर्षनों में दो–दो कारिकाओं में से एक एक की व्याख्या

कुल योग 60 अंक

तृतीय पत्र – वेदान्त मीमांसा एवं अवैदिक दर्शन

सहायक पुस्तकें–

1. माण्डूक्यकारिका – गौडपाद, आनन्द आश्रम, पूना
2. आगमषास्त्र ऑफ गौडपाद, बी. भट्टाचार्य, यूनिवर्सिटी आू कलकत्ता
3. सर्वदर्षनसंग्रह – माधवाचार्य प्रो. उमाषंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

SunRise University

वर्ग 'द' धर्मशास्त्र

PAPER : I– सूत्र और धर्मशास्त्र का इतिहास **PAPER CODE : 2MASO1**

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – प्रष्न पत्र हिन्दी भाषा में बनया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूदे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. गौतमधर्मसूत्राणि सम्पूर्ण

2. धर्मषास्त्र का इतिहास (प्रमुख सूत्रकार, स्मृतियां एवं निबन्धकारों का इतिहास)

विस्तृत अंक विभाजन–

1. गोतमधर्मसूत्र	दस सूत्रों में से पांच की व्याख्या
	दो प्रष्नों में से एक का उत्तर संस्कृत में
	दो प्रष्नों में से एक का उत्तर
	दो प्रष्नों में से एक का उत्तर–व्यवहार सम्बन्धी
2. धर्मषास्त्र का इतिहास	किन्हीं चार ग्रन्थकारों अथवा धर्मषास्त्रीय ग्रन्थों में से 2 का परिचय
	धर्मषास्त्र के इतिहासकारों के विषय में 2 प्रष्न में से एक का उत्तर

कुल योग **60 अंक**

संस्तुत पुस्तकें

1. धर्मषास्त्र का इतिहास, प्रथम खण्ड, डॉ. पी.वी.काणे, उत्तर प्रदेष हिन्दी संस्थान लखनऊ

2. धर्मकल्पद्रुम डॉ. राजेन्द्रप्रसाद शर्मा, वाराणसी

SunRise University

SunRise University

PAPER : II– स्मृतिशास्त्र **PAPER CODE : 2MASO2**

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा में बनया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. मनुस्मृति (2 से 6 अध्याय तक)

2. याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय 1 से 7 प्रकरण)

3. विष्वेष्वर स्मृति

विस्तृत अंक विभाजन–

1. मनुस्मृति	चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या
	दो प्रष्नों में से एक का उत्तर संस्कृत में
	अथवा चार टिप्पणियों में से दो संस्कृत में टिप्पणियां
	चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर
2. याज्ञवल्क्यस्मृति	दो में किसी एक की मिताक्षरा के अनुसार व्याख्या
	चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर
3. विष्वेष्वरास्मृति	दो प्रष्नों में से एक का उत्तर अथवा 4 टिप्पणियों में 2 का उत्तर
	चार श्लोंकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या

कुल योग **60 अंक**

संस्तुत पुस्तकें–

1. मुनस्मृति, हिन्दी व्याख्याकार पं. हरगोविन्दषास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

2. याज्ञवक्क्यस्मृति, हिन्दी व्याख्याकार डॉ. उमेषचंद पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

3. विष्वेष्वरस्मृति, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

SunRise University

PAPER: III – निबन्ध साहित्य, व्यवहार एवं प्रायश्चित ज्ञान PAPER CODE : 2MASO3

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – प्रष्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

1. धर्मसिन्धु, काषीनाथ उपाध्याय, प्रथम व द्वितीय परिच्छेद

2. याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय) अष्टम प्रकरण, दायभाग

3. याज्ञवल्क्यस्मृति (प्रायष्चित)

विस्तृत अंक विभाजन–

1. धर्मसिन्धु	चार बिन्दुओं में से 2 का संस्कृत विवेचन
	छः बिन्दुओं में से तीन का विवेचन
2. याज्ञवल्क्य दायभाग प्रकरण	दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या
	दो प्रष्नों में से एक का उत्तर

कुल योग **60 अंक**

संस्तुत पुस्तकें–

1. धर्मसिन्धु, काषीनाथ उपाध्याय, चाखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

2. याज्ञवल्क्यस्मृति, हिन्दी व्याख्याकार डॉ. उमेषचंद पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

वर्ग 'ई' वैदिक–विज्ञान

PAPER : I – वैदिक वाङमय और वेद विज्ञान

PAPER CODE : 2MASO1

SunRise University

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60**
अंक

1. ऋग्वेद के निम्नलिखित 6 सूक्त

   1. ज्ञान सूक्त (10, 71), 2 पुरुष सूक्त (10,90)

   3. हिरण्यगर्भ सूक्त (10,121) 4. वाक् सूक्त (1,125)

   5. नासदीय सूक्त (10, 129) 6. अधमर्षण सूक्त (10, 190)

   उपर्युक्त सूक्तों में से किन्हीं दो मंत्रों की व्याख्या

2. उपर्युक्त सूक्तों में निहित वेद विज्ञान विषयक एक प्रष्न

3. उपयुक्त सूक्तों में से किन्हीं तीन पारिभाषिक शब्दों पर व्याख्यात्मक टिप्पणी

4. शतपथ ब्राह्मण काण्ड 3 अध्याय

5. शतपथ–ब्राह्मएर–काण्ड 11 अध्याय ब्राह्मण 6–8, उपर्युक्त निर्धारित पाठ में से किन्हीं एक कण्डिकाओं की वेदविज्ञान सम्मत व्याख्या

6. ब्राह्मण ग्रन्थों में प्रयुक्त किन्हीं 2 पदों पर व्याख्यात्मक टिप्पणी

PAPER :II – सैद्धान्तिक ग्रन्थ PAPER CODE : 2MASO2

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक– 60**
अंक

1. ब्रह्म समन्वय

2. महर्षिकुलवैभवम्

3. श्रीमद्भगवत्गीता विज्ञान भाष्य

4. विज्ञान विद्युत

उपर्युक्त ग्रन्थों में से प्रत्येक से एक–एक आलोचनात्मक प्रष्न तथा दो–दो पारिभाषिक पदों पर व्याख्यात्मक टिप्पणी पूछनी चाहिए।

PAPER :III – इतिहास एवं भाष्यकार PAPER CODE : 2MASO3

SunRise University

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक– 60**
अंक

1. वैदिक साहित्य का इतिहास एवं भाष्यकारों का परिचय

   (सायण, दयानन्द, अरविन्द, मधुसूदन ओझा)

2. इन्द्रविजय (लिपिपर्यन्त)

वर्ग 'एफ' ज्योतिषशास्त्र

PAPER : I – ज्योतिष विज्ञान, खगोल एवं ताजिक शास्त्र PAPER CODE : 2MASO1

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60**
अंक

अवधेयम् – 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित है।

1. वर्ष पत्र निर्माण के सामान्य सिद्धान्त एवं वर्षफल कथन

   (1) वर्ष लग्न निर्माण प्राचीन एवं नवीन पद्धति के आधार पर

   (2) मुन्था निर्णय एवं फल

   (3) षोडष योग एवं फल

   (4) त्रिपताकी चक्र निर्माण एवं फल

   (5) वर्षपति निर्णय

2. ज्योतिष विज्ञान निर्झरी के निम्नलिखित संख्या वाले लेख ही पाठ्यक्रम में ग्राह्य होंगे–

   (4, 7, 12, 17, 21, 22, 24, 29, 30, 34, 38, 44, 58, 65, 67, 72, 85, 89, 91, 93, 96, 97, 60, 103, 107, 112, 113, 117, 118, 121, 124)

3. गोल परिभाषा

SunRise University

(खमध्य, नाडीवलय, समवृत्त, उन्मण्डलवृत्त, ऊर्ध्वखस्वस्तिक, कदम्बधान, कदम्बप्रोतवृत्त, अयनप्रोत्तवृत्त, दृग्वृत्त, उन्नतांष, नतांष, अक्षांष, दिगंष, शर, विमण्डलवृत्त, अहरोरात्रवृत्त आदि की परिभाषा ही प्रष्टव्य होगी)

4. प्रायोगिक परीक्षा

(प्रायोगिक परीक्षा में जयपुर स्थित ज्योतिष यंत्रालय, जंतर–मंतर सिटी पैलेस के पास में विद्यमान यंत्रों में से शंकु–यंत्र, लघुसम्राट यंत्र, बृहद् सम्राट यंत्र, चक्र यंत्र, षष्ठयषं यंत्र, भित्ति यंत्र, रामयंत्र, दिगंष यंत्र, नाडी वलय यंत्र आदि से ग्रह–नक्षत्रों एवं सूर्य की वेध प्रक्रिया क्रान्ति आदि की जानकारी के साथ महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा निर्मित दिल्ली, वाराणसी उज्जैन, मथुरा, जयपुर के यंत्रालयों की ऐतिहासिक जानकारी मापदंड रहेगी।

सहायक ग्रंथ

1. ज्योतिष विज्ञान निर्झरी, प्रकाषक राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
2. गोलीय रेखागणितम् श्री मीठालाल ओझा, चौखम्बा प्रकाषन, वाराणसी
3. गोल परिभाषा, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
5. यंत्रालय परिचय. पं. गोकुलचन्द भावन कृत

PAPER: II - वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त PAPER CODE : 2MASO2

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60 अंक**

अवधेयम् – 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त

सहायक ग्रन्थ–

1. मुहूर्त चिन्तामणि – श्रीराम देवज्ञ विरचित मास्टर बिहारीलाल समताप्रसाद, वाराणसी, प्रकाषक राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

SunRise University

2. वास्तुषास्त्र प्रबोधिनी, सीताराम शर्मा – प्रकाषकः मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली

PAPER: III – जन्म पत्र–निर्माण, फलादेश के सिद्धान्त PAPER CODE : 2MASO3

समय – तीन घण्टे पूर्णांक – 60 अंक

अवधेयम् – 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. जन्मपत्र निर्माण पद्धति

(क) जन्मांगचक्र निर्माण प्रकार ग्रहस्पष्ट, भाव स्पष्ट

(इंडियन एफेमेरीज या परम्परागत प्राचीन पद्धति के आधार पर)

(ख) होरा, द्रेष्काण, सप्तमांष, नवमांष, द्वादषांष, त्रिंषांष चक्र, निर्माण पत्र एवं सामान्य फल कथन

(ग) विंषोत्तरी, अष्टोतरी एवं योगिनी दषा, अन्तर्दषा एवं प्रत्यन्तरर्दषा निर्माण

2. हस्तरेखा विज्ञान – सम्पूर्ण गोपेष कुमार ओझा

3. लघुपाराषरी – महर्षि पाराषर प्रणीत – उडूदायप्रदीप, योगाध्याय आयुर्विचाराध्याय एवं दषाफलाध्याय मात्र

सहायक ग्रंथ–

1. बृहद् भारतीय कुंडलीविज्ञान, सत्यदेव शर्मा, जगदीष संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर

2. ज्योतिषसर्वस्व, पं. सुरेषचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेषन, नई दिल्ली

3. हस्तरेखा विज्ञान, ले. गोपेष कुमार ओझा, प्रकाषक – मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली

4. लघुपाराषरी समीक्षा, डॉ. शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

PAPER :IV – व्याकरण एवं निबन्ध

PAPER CODE : 2MASO4

SunRise University

(All Group Compulsory)

समय – तीन घण्टे **पूर्णांक – 60**
अंक

अवधेयम् – प्रष्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. व्याकरण लघुसिद्धान्तकौमुदी

   कृत्य प्रक्रिया एवं पूर्वकृदन्त

   तद्धित–षैषिक प्रकरण पर्यन्त

   स्त्री प्रत्यय

   समास (तत्पुरुष, बहुब्रीहि, अव्ययीभाव, द्वन्द्व)

   सिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण

2. निबन्ध (संस्कृत में)

   कम से कम 12 निबन्ध के विषय दिये जाने चाहिये, जिनमें से सभी वर्गों अ, ब, स, द, इ, एफ पर प्रत्येक से कम से कम दो विषयों में निबन्ध लिखना चाहिए। उनमें से विद्यार्थी को यथेष्ट एक ही विषय पर निबन्ध लिखना अपेक्षित है।

3. व्याकरणमहाभाष्य (पस्पषाहिनक)

विस्तृत अंक–विभाजन

1. कृत्य	10 पद पूछकर 5 की सिद्धि
2. तद्धित	8 पद पूछकर 4 की सिद्धि
3. स्त्री	8 पद पूछकर 4 की सिद्धि
4. समास	10 पद पूछकर 5 की सिद्धि
5. कारक	6 सूत्रों में से 3 की सोदाहरण व्याख्या
6. महाभाष्य	दो में से एक प्रष्न
7. निबन्ध	प्रत्येक ग्रुप के दो–दो विषयों अर्थात् 2 में से एक निबन्ध

SunRise University

सहायक पुस्तकें–

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री
2. ऋषिकेष भट्टाचार्य, प्रबन्ध मंजरी
3. पं. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी – निबन्ध मंजरी, शारदा मंदिर, दिल्ली
4. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – प्रौढरचनानुवादकौमुदी
5. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी – संस्कृत व्याकरण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
6. डॉ. नारायणषास्त्री कांकर – व्याकरण साहित्य, अजमेरा बुक कं., जयपुर

निम्नलिखित शोध–पत्रिकाएं भी पठनार्थ अनुमोदित है–

1. सागरिका – संस्कृत विभाग, सागर विष्वविद्यालय, सागर

(All Group Compulsory)

Paper : v – प्राचीन संस्कृत साहित्य

paper code : 2MASO5

Duration : 3 hrs. **Marks. : 60**

अवधेयम् – प्रष्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिषत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रष्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. विक्रमांकदेवचरितम् (प्रथम सर्ग) – बिल्हण
2. अर्थषास्त्र – कौटिल्य (प्रथम व तृतीय अधिकरण)
3. षिषुपालवध – माघ (द्वितीय सर्ग)
4. बुद्धचरितम् – अष्वघोष (तृतीयसर्ग)

SunRise University

विस्तृत अंक–विभाजन

1. विक्रमांकदेव 4 श्लोकों में से 2 की व्याख्या जिनमें से एक की संस्कृत में

2. राजस्थान अभिनव संस्कृत साहित्यम्

व्यतिव एवं कृतित्व संबंध सामान्य प्रष्न

SunRise University

2nd year

पूर्णांक : 100

नोटः– निम्न में से कोई एक पेपर का चयन कीजिए।

MASAN03: रामायणम् , महाभारतम् पुराणानि च

1.	रामायणम्	– नामकरण्म रामायणस्य क्रमः (रचानाकालः), रामायणे आस्यानानि, रामायणकालीनः समाज्ः समाजेनार्थ्याः स्थानम् परवर्तिग्रन्थेभ्यः रामाणमेकं प्रेरणा स्रोत :, रामायणस्य साहित्यिक महत्वम् , रसः , छन्दः , रामाणस्य महत्व प्रतिपादनम्।
2.	महाभारतम्	– नामकरणम् , महाभारतस्य क्रमः (रचनाकालः) , महाभारतस्य कालः महाभारते आस्यानानि , महाभारतकालीनः समाजः, आश्रमव्यवस्था , विवाहः, अशान्ते साम्राज्यम् , परवर्तिग्रन्थेभ्य् महाभारतमेंकं प्ररेणास्त्रोतः, महाभारते

		साहित्यिकं महनवम् , रसः छन्दः, शैली, रामायणस्य महाभारतस्य तुलना (समानता विषमता)।
3.	पुराणणम्	– पुराण लक्षणम्, पुरणानां रचनाकालः , सात्विकम–राजसम्–तामसम् अष्टादश पुराणानिः, पुराणानामध्ययनस्य आवश्यकता, पौराणिकं सृष्टि– विज्ञानमृ, सृष्टौ विकासवादः , पौराणिकम् आख्यानम्।

अथवा

MASAN03: कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् , मनुस्मृतिः याज्ञवल्क्यस्मृतिश्च

1. कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् – कौटिल्यस्य सामान्यः परिचयः, कौटिल्यसमय, कौटिल्यस्य कृतित्वम्, कौटिल्यस्यार्थशास्त्रस्य प्रतिपाद्यविषयः, अर्थशास्त्रस्य आधारं गृहीत्वा राजस्व सप्त–अडडना विवेचनम, अर्थशास्त्रप्रमाणधृत्य षाढगुण्यस्य विवेचनम, कौटिल्यानुसांर दूतस्य स्वरूपम् एवं प्रकाशः , कौटिल्यानुसार दायविभगस्य विवेचनम् अर्थशास्त्रानुसारं वाक्पालरूष्यं दण्डपारूष्यं च , कौटिल्यानुसारं साक्षी, कौटिल्यानुसारं दुर्गस्य विवेचनम्
2. मनुस्मृति – प्रतिपायंः विषयः, मनोः अनुसारेण धर्मस्य स्परूपम् विवाहस्य अर्थः प्रकाशश्च, मनुस्मृत्यनुसांर दुर्गस्य रचना एवं प्रकारणि, मनुस्मृतिमाधृत्य मन्त्रिमण्डलम्, मनोः अनुसारं 'दशकं धर्मलक्षणम् ' इत्यस्य विवेचनम् , मनुस्मृतिमनुसृत्य संस्काराणां ब्रहमचारिणां कर्तव्यानि, मनु अनुसारम राजधर्म', मनुस्मृत्यायनुसारेण राजधर्मे दण्डप्रक्रिया।

अथवा

MASAN03: वेदाङ्गस्थनिरूक्तम्

1. वेदाङ्गनां सामान्यः एवं सक्षिप्तः परिचयः
2. निरक्तम (अध्यायाः प्रथमो द्वितीयश्च)
3. क्रियायाः षडरूपाति (षड्भावविकासः)
4. निरूक्ताध्ययनस्य उद्वेश्याः
5. निर्वचनस्य सिद्वान्तः
6. शब्दानां व्युत्पत्तयः–
   आचार्यः , वीरः, हदः , गौ , समुद्रः , वृत्रः, आदित्य, उषस् , मेघः, वाक्ः , उदक् , नदी, अश्वः , अग्निः, जातवेदस् , वैश्वानरः , निघण्टु।

SunRise University

अथवा

MASAN03: महाभाष्यम् सिद्वान्त कौमुदी

1. महाभष्यम् – शब्दस्य परिभाषा, शब्दार्थ : सम्बन्धः, व्याकरणाध्यय नस्य उदेश्यानि, व्याकरणस्य परिभाषा , साधुशब्दस्य प्रयोगस्य परिणामः, व्याकरणस्य पद्वति।
2. सिद्वान् कौमुदी – तिडन्त– भूधातु (परस्मैपन्दम)
   तिडन्त आत्मनेपदम् 'एध्' धातुः
   वृदन्तः (कृत्यप्रक्रियामात्रम्)
   तद्वितन्तः प्रत्ययां: (मत्वर्थीयाः)
   कारक प्रकरणम्
   स्त्री प्रत्ययाः
   सन्धि :
   समासः
   शब्दरूपः
   संस्कृत भाषानुवादः करणीयः
   संज्ञा प्रकरणम
   माहेश्वर सूत्राणि
   आभ्यन्न्तर बाहा प्रयथ्नानि च

अथवा

MASAN03: निबन्धम् संस्कृत भाषायाम् लेखनीयः।

महाकवि, साहित्यिक धार्मिक दार्शनिककारः पाणिनि, पंतजलि, वररूचि (कात्यायनः), वेद ब्राहाणं , उपनिषदं, आस्यानम् च।

राजस्थानस्य आधुनिक साहित्यकाराः

SunRise University